RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार 18 जनवरी 2024 वर्ष 05 अंक 267 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

नार्वेकर के फैसले के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई...!

उच्चतम न्यायालय मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अन्य विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज करने के महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के आदेशों को चुनौती देने वाली उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना की याचिका पर 22 जनवरी को सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बुधवार को वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल के इस मामले में शीघ्र सुनवाई करने की गुहार स्वीकार करते हुए कहा कि इस मामले में वह सोमवार को सुनवाई करेगी।

शीर्ष अदालत के समक्ष श्री सिब्बल ने यूबीटी गुट का पक्ष ह्यविशेष उल्लेखह्न के दौरान रखा। याचिकाकर्ता यूबीटी गुट के सुनील प्रभु ने विधानसभा अध्यक्ष के 10 जनवरी के फैसले के खिलाफ 15 जनवरी को शीर्ष अदालत में याचिका दायर की। उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि निर्णयों की ''पूर्ण विकृति''इस तथ्य से स्पष्ट है कि अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेते समय अध्यक्ष ने मुख्य निर्विवाद घटना यानी 30 जून 2022 को शपथ ग्रहण पर भी विचार नहीं किया है, जिसने निर्णायक रूप से स्थापित किया कि उनके सभी कार्य (21 जून 2022) का उद्देश्य महाराष्ट्र में अपने ही राजनीतिक दल के नेतृत्व वाली निर्वाचित सरकार को गिराना था। याचिका में कहा गया, ''अयोग्यता का इससे स्पष्ट मामला नहीं हो सकता था। शिंदे ने राज्यपाल से मुलाकात की और 30 जून 2022 को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन से मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। सभी प्रतिवादी विधायकों ने इस निर्णय का समर्थन किया, जो स्वयं स्वेच्छा से हार मानने के समान था।'' याचिका में कहा गया है कि दसवीं अनुसूची का उद्देश्य उन विधायकों को अयोग्य ठहराना है, जो अपने राजनीतिक दल के खिलाफ काम करते हैं। ''हालांकि, यदि अधिकांश विधायकों को राजनीतिक दल माना जाता है, तो वास्तविक राजनीतिक दल के सदस्य बहुमत विधायकों की इच्छा के अधीन हो जाते हैं। यह पूरी तरह से असंवैधानिक है। इसे रद्द किया जाना चाहिए।

वरिष्ठ अधिवक्ता निशांत पाटिल के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है, ''विधायक दल एक कानूनी इकाई नहीं है। यह केवल एक राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए विधायकों के समूह को दिया गया एक नाम है, जो अस्थायी अवधि के लिए सदन के सदस्य होते हैं।''

नाला सफाई के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू

मुंबई : बारिश के मौसम में मुंबई में कई जगहों पर पानी भर जाता है. इससे मुंबईकरों को परेशानी होती है. नतीजतन, मुंबई नगर निगम आरोपियों के पिंजरे में बंद हो गया है। साथ ही इसका असर विधानसभा पर भी दिख रहा है, राज्य सरकार और मुंबई मनपा प्रशासन इस स्थिति को बदलने की कोशिश कर रहे हैं. इसके लिए मुंबई में छोटे-बड़े नालों और नदियों की सफाई के लिए 80 करोड़ रुपये के टेंडर आमंत्रित किए गए हैं.

इस साल मॉनसून से पहले मुंबई के छोटे-बड़े नालों और नदियों की सफाई का काम किया जाएगा. इसके लिए नगर पालिका ने नाला सफाई कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। पूर्वी उपनगरों में बड़े नालों की सफाई के लिए कुल 80 करोड़ रुपये, राजमार्ग नालों की सफाई के लिए 4.53 करोड़ रुपये और छोटे नालों की सफाई के लिए 43.65 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इनमें पूर्वी उपनगर कुर्ला, चेंबूर, मानखुर्द, गोवंडी, विक्रोली, कांजुरमार्ग, भांडुप, मुलुंड के छोटे और बड़े नाले शामिल हैं। नाली सफाई का यह कार्य 12 महीने की अवधि के लिए है और यह 12 महीने की अवधि 31 मार्च 2025 को समाप्त होगी। मुंबई में हर साल जब मानसून के मौसम में भारी बारिश होती है या भारी वर्षा होती है और साथ ही समुद्र में उच्च ज्वार आता है, तो मुंबई के निचले इलाकों में पानी जमा हो जाता है।

यातायात विभाग ने कल्याण शहर की 22 सड़कों पर वाहनों की पार्किंग पर रोक लगा दी है

कल्याण: पिछले तीन वर्षों से कल्याण रेलवे स्टेशन क्षेत्र में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत फ्लाईओवर कार्य के कारण कल्याण शहर के बाहर से आने वाले वाहनों की संख्या में वृद्धि के कारण कल्याण शहर में वाहन पार्किंग की समस्या गंभीर हो गई है. रेलवे स्टेशन क्षेत्र में सड़कों को अवरुद्ध करने वाले फेरीवालों, कल्याण शहर के बाहर से आने वाले वाहनों की संख्या। शहर में बढ़ते ट्रैफिक जाम के कारण परिवहन विभाग ने बुधवार से यहां की 22 सड़कों पर वाहन चालकों को वाहन पार्क करने पर रोक लगा दी है.

इसलिए 15 सड़कों पर पार्किंग की सुविधा उपलब्ध करायी गयी. परिवहन विभाग के पुलिस उपायुक्त डॉ. विनय कुमार राठौड़ ने मंगलवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की. चूंकि 22 सड़कों पर वाहनों की पार्किंग निषिद्ध है, अगर किसी को कोई आपत्ति है, तो उन्हें परिवहन विभाग के ठाणे कार्यालय से संपर्क करना चाहिए, उपायुक्त डॉ. ने कहा। राठौड़ ने किया.

दुविधाओं की समस्या गंभीर है

स्वर्गीय दिलीप कपोटे कल्याण पश्चिम में रेलवे स्टेशन क्षेत्र का एकमात्र स्टेशन है। कल्याण शहरी क्षेत्र से ट्रेन से काम पर जाने वाले अधिकांश कर्मचारी अपने दोपहिया और चार पहिया वाहनों को रेलवे स्टेशन क्षेत्र के पार्किंग स्थलों और सड़कों पर पार्क करके अपने इच्छित गंतव्य पर चले जाते हैं। वह इन गाड़ियों को पार्किंग में खड़ा रखता है। चूंकि इस पार्किंग स्थल की क्षमता आने वाले वाहनों की संख्या से कम है, इसलिए अधिकांश वाहन चालक अपने चार पहिया, दोपहिया वाहनों को कल्याण पश्चिम रेलवे स्टेशन क्षेत्र की गलियों, संकरी सड़कों, इमारतों, सरकारी कार्यालयों में पार्क करते हैं। ये वाहन यातायात में बाधा डाल रहे हैं।

इन वाहनों के अलावा, फेरीवाले फुटपाथों और सड़कों को अवरुद्ध कर देते हैं। इसलिए अन्य वाहनों को इस बाधा से जूझना पड़ता है। हाल ही में कल्याण पश्चिम में ट्रैफिक जाम में वृद्धि के कारण, परिवहन विभाग ने प्रायोगिक आधार पर कल्याण पश्चिम में कई सड़कों पर वाहनों की पार्किंग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है।

राज्य सरकार ने बदला रुख, वसईकरों में गुस्सा!

वसई विरार नगर निगम में 29 गांव रहेंगे बरकरार

वसई : शिंदे-फडणवीस सरकार ने वसई विरार नगर निगम से 29 गांवों को बाहर करने के बजाय इन गांवों को नगर निगम में ही रखने की नई भूमिका निभाई है। मंगलवार को सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट को एक पत्र सौंपा है जिसमें कहा गया है कि 2011 में वसई विरार नगर निगम से 29 गांवों को बाहर करने के सरकार के फैसले को खत्म करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. इस मामले की अगली सुनवाई अब 16 फरवरी को होगी. सरकार के इस रुख से गांवों को बाहर करने के आंदोलन को बड़ा झटका लगा है.

वसई विरार नगर निगम से 29 गांवों को बाहर करने का मामला बॉम्बे हाई कोर्ट में लंबित है। मंगलवार को बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस जी.एस. मामला सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति पटेल और न्यायमूर्ति कमल काटा की पीठ के समक्ष आया। गांवों को बाहर करने का अंतिम निर्णय लंबित होने तक, राज्य सरकार ने उप सचिव शंकर जाधव द्वारा हस्ताक्षरित एक पत्र अदालत को सौंपा। 31 मई 2011 को तत्कालीन मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण की सरकार ने कहा कि 29 गांवों को बाहर करने के सरकार के फैसले को खत्म करने की कार्रवाई की जा रही है. कोर्ट ने पूर्व सरकार के फैसले को रद्द करने के लिए अपनायी गयी प्रक्रिया की जानकारी देने को कहा. इसलिए याचिका पर अगली सुनवाई 16 फरवरी को होगी. इससे मामले में नया मोड़ आ गया है.

सरकार के इस रुख से वसईकरों में गुस्से की लहर फैल गई है. हम अब सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने जा रहे हैं. ग्राम आंदोलन के नेता जॉन परेरा ने कहा, इसकी दिशा जल्द ही तय की जाएगी। तत्कालीन मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कैबिनेट बैठक में गांवों को बाहर करने का फैसला लिया. इसे विधानमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया और बाद में राज्यपाल के हस्ताक्षर द्वारा अधिसूचित किया गया। एडवोकेट जिमी घोन्साल्विस ने गुस्से में पूछा है कि मौजूदा सरकार किस आधार पर उस फैसले को बदल रही है. उन्होंने कहा कि कोर्ट में सिर्फ एक पत्र दाखिल कर समय बर्बाद किया गया. ग्राम आंदोलन के नेता विजय पाटिल ने कहा कि सत्ता बचाने के लिए ढाबा में वसईकर की भावनाओं के साथ सभी नियमों का खिलवाड़ किया जा रहा है.

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

बसपा चलेगी एकला

बसपा लोकसभा का चुनाव अकेले ही लड़ेगी। अपने 68वें जन्मदिन पर मायावती ने यह घोषणा की, लेकिन यह चौंकाने वाली खबर नहीं है। कांग्रेस की इच्छा जरूर थी कि बसपा भी ह्यइंडियाह्न गठबंधन का हिस्सा बने, लेकिन प्रयास अनमने से थे, क्योंकि समाजवादी पार्टी का दबाव और धमकी थी कि बसपा को शामिल किया गया, तो वह ह्यइंडियाह्न से अलग हो जाएगी। सपा सबसे बड़े राज्य उप्र में प्रमुख विपक्षी दल है और अखिलेश यादव नेता प्रतिपक्ष हैं। हालांकि उप्र विधानसभा में बसपा का एक ही विधायक है, लेकिन लोकसभा में 10 सांसद हैं। 2014 में पार्टी का एक भी सांसद लोकसभा में नहीं था। इस आधार पर आकलन करें, तो बसपा किसी भी गठबंधन का हिस्सा रहती है, तो उसे चुनावी फायदा होता है। 2019 के आम चुनाव में बसपा ने सपा के गठबंधन में चुनाव लड़ा था, तो उसे करीब 19 फीसदी वोट मिले थे और 10 सांसद चुनकर संसद तक पहुंचे थे, लेकिन सपा का मत-प्रतिशत भी कम रहा और 5 सांसद ही चुने गए। एक विश्लेषण स्पष्ट है कि बसपा के समर्थक मतदाताओं ने सपा के उम्मीदवारों को वोट नहीं दिए। 2019 के चुनाव के बाद मायावती ने सपा से गठबंधन भी तोड़ लिया और अब वह सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लिए ह्यगिरगिटह्न जैसे शब्द का इस्तेमाल कर रही है। लोकसभा में बसपा संसदीय दल के नेता श्याम सिंह यादव ने मायावती के ह्यएकला चलोह्न के निर्णय पर निराशा व्यक्त की है। ह्यइंडियाह्न गठबंधन का हिस्सा नहीं बन सकी, लिहाजा बसपा के सामने रास्ता ही क्या था? भाजपा के साथ सामाजिकता और विचारधारा के स्तर पर बसपा की तल्खी बनी रही है, हालांकि मायावती भाजपा के समर्थन से उप्र की मुख्यमंत्री बनती रही हैं। बहरहाल बसपा की ताकत उप्र तक ही सीमित नहीं है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब आदि राज्यों में बसपा के विधायक चुने जाते रहे हैं।

यह अलग और दलबदल की राजनीति है कि वे विधायक टूट कर सत्तारूढ़ पक्ष में विलय करते रहे हैं, लेकिन दलितों और मुसलमानों के एक तबके में बसपा के लिए जबरदस्त समर्थन आज भी है। बसपा के संस्थापक नेता कांशीराम ने जातीय समीकरणों के आधार पर जो राजनीति 1984 में शुरू की थी, उसके कट्टर समर्थक आज भी बसपा का ही समर्थन करते हैं, लिहाजा पार्टी का अकेले ही लोकसभा चुनाव में उतरना महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना है। उससे कमोबेश चुनाव भाजपा, कांग्रेस और बसपा में विभाजित हो सकता है। शेष क्षेत्रीय और छोटे दल भी चुनाव को बहुतरफा बना सकते हैं, नतीजतन प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को पराजित करने की रणनीति नाकाम साबित हो सकती है। उप्र का चुनाव काफी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि भाजपा-एनडीए ने सभी 80 संसदीय सीटें जीतने का फॉर्मूला तय किया है। बसपा का कमोबेश 14-15 फीसदी मत प्रतिशत भाजपा-एनडीए की जीत को सुनिश्चित कर सकता है। मायावती ने राजनीति से संन्यास लेने की अफवाहों को भी खंडित किया है, तो खासकर जाटव दलितों और मुस्लिम वोट बैंक में बिखराव की संभावनाएं धूमिल होंगी। यह मत-प्रतिशत ह्यइंडियाह्न के साझा उम्मीदवार के पक्ष में जा सकता था, यदि बसपा का सपा-कांग्रेस के साथ गठबंधन होता! मायावती ने यह भी बयान दिया है कि चुनाव के बाद किसी भी गठबंधन पर विचार किया जा सकता है। अर्थात वह भाजपा-एनडीए को भी समर्थन दे सकती हैं।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

रिक्शे की चाबी ने सुलझाई हत्या की गुत्थी

मुंबई: मीठी नदी में एक युवक का शव मिला था। शुरूआत में शव की पहचान नहीं हो पाई थी. लेकिन रिक्शे की चाबी की वजह से ही क्राइम ब्रांच पुलिस पूरे मामले को सुलझाने में कामयाब रही. मृतक अमन अब्दुल शेख एक रिक्शा चालक था। अमन इस हत्याकांड के मास्टरमाइंड नफीस खान से 300 रुपये प्रतिदिन पर रिक्शा किराये पर लेता था. लेकिन शक का भूत नफीस के सिर पर सवार हो गया और उस ने मोहम्मद साकिर सईद और मुकेश पाल की मदद से अमन का कांटा निकाल दिया.

नफीस के पास छह रिक्शे थे। वह इन सभी को किराये पर देता था। अमन भी उससे रिक्शा किराये पर ले रहा था। इसलिए वह नफीस के घर आता जाता था। उस वक्त नफीस को शक हुआ कि अमन का उसकी पत्नी से अफेयर है. इसके चलते पति-पत्नी में कई बार झगड़ा हुआ। इन रोज-रोज के झगड़ों से तंग आकर नफीस की पत्नी घर छोड़कर चली गई। इस वजह से नफीस के मन में अमन के प्रति बहुत नफरत हो गई.

अमन की तरह साकिर और मुकेश भी नफीस से रिक्शा किराये पर लेते थे। इन दोनों की मदद से नफीस ने अमन का कांटा निकालने की साजिश रची. रोजाना की तरह 5 जनवरी को अमन रिक्शा का दैनिक किराया लेकर गोवंडी स्थित नफीस के घर आया। बातों-बातों में नफीस ने दो साथियों की मदद से अमन की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद अमन के शव को रिक्शे में रखकर मीठी नदी के पास ले गए और शव को फेंककर रिक्शा पास में ही रोक दिया. उस रिक्शे की चाबी नफीस अपने पास रखता था. अगले दिन मीठी नदी में एक शव मिला. उसकी पहचान नहीं हो पाई. इसलिए क्राइम ब्रांच के रूम 5 के सीनियर इंस्पेक्टर घनश्याम नायर ने यह जांचना शुरू किया कि क्या मुंबई के हर पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज की गई है। उधर, अमन गोवंडी में अपनी बहन के साथ रह रहा था। उसके अचानक गायब हो जाने पर उसकी बहन ने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में भाई की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई. लावारिस शव और शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन से मिली गुमशुदगी की जानकारी में समानता है. इससे यह संदेह पैदा हो गया कि शव अमन का ही है। क्राइम ब्रांच की टीम ने शिवाजी नगर थाने से अमन की तस्वीर ली और मीठी नदी में मिले शव से उसका मिलान किया तो पुष्टि हो गई कि शव अमन का ही है.

क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने बहन से अमन के बारे में और जानकारी ली. उसकी बहन नफीस को जानती थी। अमन के लापता होने के बाद नफीस उनके घर आया था। अमन ने अपना रिक्शा ले लिया है. काफी देर तक वह वापस नहीं लौटा। उसने पुलिस को बताया कि वह पूछ रहा था कि वह कहां गया था। इस बारे में नफीस से भी पूछताछ की गई। एक ने कहा कि मीठी रिक्शा की तलाश में नदी के किनारे खड़ी थी। तो नफीस ने कहा कि मैंने दूसरी चाबी से रिक्शा स्टार्ट किया और वापस घर ले आया। लेकिन अमन की बहन से रिक्शे के बारे में पूछने वाले नफीस ने पहले ही दूसरी चाबी की मदद से रिक्शे को स्टार्ट किया और घर ले आया। तो फिर वह अमन की बहन के पास पूछने क्यों आया? नफीस के रिक्शा और दूसरी चाबी की कहानी ने क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को हैरान कर दिया. इससे पुलिस का शक नफीस पर बढ़ गया. हत्या वाले दिन यानी 5 जनवरी को नफीस कहां गया था? पुलिस को ये जानकारी टेक्नोलॉजी की मदद से मिली. उस समय 5 जनवरी को उसके गोवंडी से मीठी नदी क्षेत्र में होने का पता चला था।

खाना पकाने के बारे में नकारात्मक टिप्पणी क्रूरता नहीं है - हाई कोर्ट

मुंबई: उच्च न्यायालय ने कहा है कि ससुराल वालों द्वारा पत्नी के खाना पकाने के बारे में नकारात्मक टिप्पणी करना भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए के तहत क्रूरता नहीं है। साथ ही एक महिला ने शिकायत पर अपने पति के रिश्तेदारों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है.

महिला ने शिकायत में दावा किया था कि उसके पति के भाई उसे ताना मारते थे कि वह खाना नहीं बना सकती और उसके माता-पिता ने उसे कुछ भी नहीं सिखाया है. यह याचिकाकताओं के खिलाफ लगाया गया एकमात्र आरोप है। लेकिन उनका दावा है कि नकारात्मक टिप्पणियां भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए के तहत क्रूरता की श्रेणी में नहीं आती हैं, न्यायमूर्ति अनुजा प्रभुदेसाई और नितिन बोरकर की पीठ ने महिला के ससुराल वालों को राहत देते हुए स्पष्ट किया। महिला की शिकायत के मुताबिक, उसकी शादी 13 जुलाई 2020 को हुई थी. लेकिन, शादी के कुछ महीने बाद नवंबर 2020 में ससुराल वालों ने उसे घर से बाहर निकाल दिया. इसके बाद, उसने 9 जनवरी 2021 को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसमें उसने दावा किया कि उसके पति ने शादी के बाद से एक बार भी वैवाहिक संबंध स्थापित नहीं किया है।

प्रतिवादियों ने पुलिस द्वारा दर्ज मामले को रद्द करने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उनकी याचिका स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि मामूली विवाद भी धारा 498ए के तहत क्रूरता नहीं है। धारा 498ए के तहत अपराध साबित करने के लिए यह साबित करना जरूरी है कि महिला के साथ लगातार क्रूर व्यवहार किया गया है। यह नोट किया गया कि हमारे सामने आए मामले में महिला द्वारा लगाए गए आरोप क्रूरता की परिभाषा में नहीं आते हैं।

कार की खिड़कियां तोड़कर लैपटॉप चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह को जेल

नवी मुंबई : वाशी पुलिस ने सड़क पर खड़ी कार के शीशे तोड़कर उसमें से लैपटॉप चुराने वाले तीनों को गिरफ्तार किया है। सेनिथिल दुर्जन कुमार आर. डी (48), मूर्ति रामासामी चिन्नाफपन (30) और शिव विश्वनाथन (47) ये तीनों के नाम हैं और जांच से पता चला कि ये चोर तमिलनाडु राज्य के तिरची से एक विशेष लैपटॉप चुराने आए थे। इन चोरों द्वारा नवी मुंबई और अन्य इलाकों में की गई 7 वारदातों का खुलासा हो चुका है और इनके द्वारा अलग-अलग जगहों से चुराए गए 10 लैपटॉप भी पुलिस ने जब्त कर लिए हैं.

इन चोरों ने 10 जनवरी की शाम करीब सात बजे वाशी सेक्टर-17 में साइंस सोसायटी के सामने सड़क पर खड़ी दो कारों के शीशे तोड़ दिए और दोनों कारों से दो एप्पल लैपटॉप चुरा लिए और फरार हो गए. इसके बाद वाशी पुलिस ने अमेय विखारे की शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है. इसके लिए पुलिस ने घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपियों की पहचान करने के लिए नवी मुंबई, ठाणे, मुंबई क्षेत्र के पुलिस स्टेशनों के रिकॉर्ड की जांच शुरू कर दी थी।

इस बीच, उक्त चोरों द्वारा चुराए गए लैपटॉप में से अमेय विचारे का लैपटॉप उसके आईफोन से कनेक्ट था, इसलिए विचारे को बार-बार अपने आईफोन पर उक्त लैपटॉप का लोकेशन मिल रहा था। सीएसएमटी परिसर में आरोपियों के स्थान की जानकारी मिलने के बाद, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शशिकांत चांदेकर और पुलिस निरीक्षक संजय नाले के मार्गदर्शन में, सहायक पुलिस निरीक्षक युवराज सालगुडे, पवन नंद्रे, पुलिस उप-निरीक्षक नीलेश बारसे और उनकी टीम तुरंत सीएसएमटी पहुंची। ट्रेन द्वारा रेलवे स्टेशन.

प्रदेश भर में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या में कमी आई

मुंबई : राज्य सरकार ने राज्य भर में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को कम करने का निर्णय लिया था। जिलों में मुंबई शहर और उपनगर जिले ने पहला स्थान, चंद्रपुर जिले ने दूसरा स्थान और नवी मुंबई शहर ने तीसरा स्थान हासिल किया है। मुंबई में परिवहन विभाग द्वारा राज्य सड़क सुरक्षा मिशन 2024 का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री दादाजी भुसे और स्कूल शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर ने पुलिस उपायुक्त तिरूपति काकडे और नवी मुंबई के परिवहन विभाग के उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी हेमांगिनी पाटिल को बैज और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया. नवी मुंबई शहर में, पुलिस विभाग, नगर निगम, सिडको, क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय और लोक निर्माण विभाग ने सड़क पर ब्लैक स्पॉट (लगातार दुर्घटनाएं) संभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण, निरीक्षण और अध्ययन करके दुर्घटनाओं की संख्या को कम करने के लिए विशेष प्रयास किए। त्रुटियों का पता लगाना और आवश्यक परिवर्तन करना। परिणामस्वरूप, नवी मुंबई शहर की तुलना में दुर्घटनाओं में मौतों की संख्या में 17.7 प्रतिशत की कमी आई है। यह डेटा जनवरी से नवंबर 2023 तक का है और नवी मुंबई डिवीजन तीसरे स्थान पर है।

'शिवसेना का ठाकरे खेमा हताशा में कर रहा अनर्गल बयानबाजी'... मेगा प्रेस वार्ता पर शिंदे गुट का तंज!

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर चर्चा में है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कभी पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के करीबी रहे थे, लेकिन आज बदले हुए सियासी चौसर पर दोनों एक दूसरे पर हमला करने का कोई मौका नहीं गंवाते। ताजा घटनाक्रम में शिंदे खेमे ने ठाकरे गुट को आड़े हाथ लिया है। शिंदे खेमे का दावा है कि शिवसेना हताश हो चुका है। महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले ठाकरे गुट ने मंगलवार को 'मेगा प्रेस वार्ता' सह 'पीपुल्स कोर्ट' का नाम दिया। ठाकरे गुट पहले भी कहता रहा है कि वह इस राजनीतिक लड़ाई को जनता के बीच लड़ेगा।

निराशा और हताशा में कर रहे बयानबाजी

छत्रपति संभाजी नगर में बुधवार को पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के गुट पर कटाक्ष करते हुए शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने कहा कि संवाददाता सम्मेलन से विरोधी खेमे की हताशा साफ झलकती है। इनका आरोप है कि ठाकरे खेमे के नेताओं ने जबरन पार्टी कार्यकर्ताओं को 'मेगा प्रेस कॉन्फ्रेंस' में शामिल कराया। उन्हें मजबूर किया गया। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के प्रवक्ता संजय शिरसाट ने कहा, 'जब लोग निराश होते हैं तो ऐसा करते हैं। वे अपना जनाधार और अस्तित्व खो चुके हैं। पार्टी ने मेगा प्रेस वार्ता नहीं चुनावी रैली का आयोजन किया था।'

सीएम एकनाथ शिंदे का खेमा बॉम्बे हाईकोर्ट क्यों गया?

उन्होंने कहा कि हताशा में उद्धव ठाकरे गुट के नेता अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। जनता इन नेताओं को सिरे से खारिज कर चुकी है। स्पीकर नार्वेकर के फैसले पर शिरसाट ने कहा कि वे विधानसभा अध्यक्ष के फैसले की आलोचना नहीं कर रहे, लेकिन अगर उनके दावों में दम था तो ठाकरे गुट के 14 विधायकों को अयोग्य ठहराया जाना चाहिए था। ऐसा नहीं किया गया, इसलिए शिंदे खेमे ने बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। शिवसेना में विभाजन से पहले कभी एकनाथ शिंदे ने पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के पैर भी छुए थे। इस पर एक सवाल के जवाब में शिरसाट ने कहा, अगर ऐसी धारणा है कि संस्कारी शख्स कमजोर या असहा होने के कारण आपके पैर छू रहा है तो यह मूर्खता है।

घनसोली-ऐरोली परियोजना नजर में... पामबीच सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए निविदा की घोषणा

नवी मुंबई: कई वर्षों की देरी के बाद, घनसोली से ऐरोली परियोजना, जो पामबीच मार्ग के विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है, अब नजर आ रही है। इस परियोजना पर लगभग 540 करोड़ रुपये खर्च होंगे और सिडको इसके लिए 270 करोड़ रुपये देगा, यह जानकारी मनपा के वरिष्ठ अधिकारियों ने दी. नवी मुंबई नगर निगम ने संबंधित परियोजना के लिए आवश्यक अनुमति प्राप्त कर ली है और सड़क को ऐरोली-मुलुंड बे ब्रिज तक विस्तारित करने का निर्णय लिया है। संशोधित लेआउट के कारण सड़क की लंबाई 3.47 किमी बढ़ जायेगी. साथ ही इसी रूट पर 1.95 किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर भी बनाया जाएगा. सिडको द्वारा बेलापुर से ऐरोली सेक्टर 10ए तक 21.12 किमी। लॉन्ग पाम बीच रोड परियोजना प्रस्तावित थी।

मुंबई का एक पुलिस अधिकारी कैसे बना कुत्तों का सबसे अच्छा दोस्त.... क्रूरता के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करते है

मुंबई: पिछले साल जून में, मुंबई के पश्चिमी उपनगर बोरीवली में एमएचबी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुधीर कुडालकर को एक व्हाट्सएप संदेश मिला कि पास की एक झुग्गी में एक आवारा कुत्ता बेहोश हो गया है. जिसके बाद वह मौके पर पहुंचे. तीन साल का वह कुत्ता खून से लथपथ और बेहोश था. उसके सिर पर लोहे की रोड से प्रहार किया गया था और घाव काफी गहरा था. कुडालकर कुत्ते को तुरंत ही पास के अस्पताल में ले गए. कुत्ते को बचा लिया गया और एक महीने तक उसे चिकित्सा सहायता मिलती रही. सीनियर इंस्पेक्टर यहीं नहीं रुके. उन्होंने इलाके के उन दो लोगों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराई, जिन्होंने जानवर को पीटा था. पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि कुत्ता उन पर भौंकता था और कई बार काट भी चुका था, इसलिए उन्होंने आत्मरक्षा में उस पर हमला किया. लेकिन पड़ोस के अन्य लोगों को ऐसी कोई शिकायत नहीं थी.

कुडालकर ने दिप्रिंट को बताया, ''जब उसे छुट्टी दी गई, तो मैं कुत्ते को व्यक्तिगत रूप से उसके ऐरिया में ले गया और उसका स्वागत किया. मैं वहां यह संदेश देने गया था कि मैं कुत्ते के साथ देने के लिए उसके साथ हूं. अगर यह काटता है तो उन्हें मारने की बजाय अधिकारियों को सौंप देना चाहिए था. किसी और ने इसकी शिकायत नहीं की थी. इसका मतलब है कि उन्होंने (आरोपी) कुत्ते के साथ कुछ किया था.'' मामला अभी भी एक स्थानीय अदालत में चल रहा है और आरोपी जमानत पर बाहर हैं, लेकिन कुत्ता पूरे ऐरिया में स्वतंत्र रूप से रह रहा है और तब से कोई शिकायत नहीं हुई है. धोखाधड़ी का भंडाफोड़ करने, चोरों को पकड़ने, हत्यारों पर नकेल कसने और कुत्तों को बचाने के बीच, 50 वर्षीय पुलिसकर्मी को अपराध की एक बड़ी श्रृंखला से पर्दा उठाना है. आवारा जानवरों को बचाने के मिशन पर, वह इंस्टाग्राम पर लगभग 50,000 फॉलोअर्स के साथ सोशल मीडिया पर लोगों की पसंद बन गए हैं.

रेस्टोरेंट में दाल का ऑर्डर, निकला मोटा चूहा अस्पताल पहुंचा युवक...

मुंबई : मुंबई के एक रेस्टोरेंट में खाना खाने आए युवक की दाल में मोटा चूहा निकला है. दाल की कटोरी में मिला यह चूहा मरा हुआ था. इस दाल को खाने से वह व्यक्ति बीमार होकर अस्पताल पहुंच गए हैं. उन्होंने इस संबंध में पुलिस को शिकायत दी है. वहीं पुलिस ने रेस्टोरेंट मालिक के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर फूड सेफ्टी विभाग के अफसरों के साथ मिलकर मामले की जांच शुरू कर दी है. किसी भी होटल रेस्टोरेंट में खाना खाने वाले व्यक्ति के लिए हाइजीन पहली प्राथमिकता होती है. इसके चक्कर में लोग अक्सर रेहड़ी पटरी की दुकानों को छोड़ बड़े और प्रतिष्ठित होटलों में चले जाते हैं. इसके लिए भले ही उन्हें ज्यादा कीमत भी चुकानी पड़ती है. यह स्थिति खासतौर पर शाकाहारी लोगों के साथ ज्यादा होती है. सोचिए, यदि ऐसे लोगों की थाली में मरा हुआ काकरोच या चूहा आ जाए तो उनकी क्या स्थिति होगी. मुंबई के एक प्रतिष्ठित होटल में खाना खाने आए ग्राहक के साथ ऐसा ही हुआ है.

दाल की कटोरी में था चूहा

नौबत यहां तक आ गई कि दाल की कटोरी में चूहा देखते ही उन्हें उल्टियां होने लगीं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा. इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई. पुलिस ने होटल मालिक के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है. उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के रहने वाले पीड़ित ग्राहक राजीव शुक्ला ने बताया कि वह इसी महीने किसी जानकार के पास मुंबई आए हैं. चूंकि वह शाकाहारी हैं, इसलिए वर्ली में नमकारा होटल में खाना खाने गए थे.

शाकाहारी थाली का ऑर्डर दिया था, इसलिए उन्हें चावल, रोटी, दाल, सब्जियां, मिठाइयां परोस दी गई. उन्होंने अभी थोड़ा ही खाया था कि उन्हें खाने में बदबू का एहसास हुआ. देखा तो दाल की कटोरी में मोटा चूहा मरा पड़ा है. यह देखते ही उन्हें उल्टियां होने लगीं और तबीयत खराब हो गई. देखते ही देखते उनकी हालत ऐसी हो गई कि उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा. अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दी और होटल मालिक के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कराया है.

कल्याण डोंबिवली नगर पालिका में 21 अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर

कल्याण: कल्याण डोंबिवली नगर पालिका में प्रतिनियुक्ति पर कुल 21 अधिकारी हैं जो सरकारी सेवा से नगर पालिका में आए हैं. राज्य सेवा से आने वाले इन अधिकारियों को नगर पालिका के भौगोलिक क्षेत्र और स्थानीय स्तर पर होने वाले कार्यों की जानकारी नहीं होती है. इसलिए ये अधिकारी प्रारंभिक अवधि नगर पालिका में प्रशिक्षण के रूप में बिताते हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण के कारण नगर पालिका में विकास कार्य नहीं हो पाते हैं।

इसलिए, शिवसेना के पूर्व नगरसेवक विश्वनाथ राणे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मांग की है कि कल्याण डोंबिवली नगर पालिका में कितने अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर भेजा जाना चाहिए, इस पर प्राथमिकता से विचार किया जाना चाहिए। कल्याण डोंबिवली नगर पालिका में वर्तमान में अतिरिक्त आयुक्त से लेकर सहायक आयुक्त तक कुल 21 अधिकारी सरकारी सेवा में हैं। पिछले तीन साल से नगर पालिका में किसी भी जनप्रतिनिधि का राज नहीं है। इसलिए रणनीतिक फैसले, टेंडर प्रक्रिया जैसे कई महत्वपूर्ण फैसले अधिकारी मनमाने ढंग से ले रहे हैं. नगर पालिका में स्थानीय अधिकारी सेवानिवृत्त हो गए हैं। इन अधिकारियों का मार्गदर्शन करने के लिए कोई वरिष्ठ स्थानीय प्राधिकारी नहीं है। इसके विपरीत ये अधिकारी कर्मचारियों पर दबाव बनाकर काम करा रहे हैं।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : गुरुवार 18 जनवरी 2024

पूर्व सीएम सुशील कुमार शिंदे क्या कांग्रेस को देंगे झटका?

मंत्री चंद्रकांत पाटिल से की मुलाकात...

कांग्रेस के पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा के शिवसेना में शामिल होने के बाद अब कांग्रेस के दिग्गज नेता सुशील कुमार शिंदे के भी कांग्रेस छोड़ने की अटकलें तेज हो गयी है. कांग्रेस के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम सुशील कुमार शिंदे ने बीजेपी मंत्री चंद्रकांत पाटिल से मुलाकात की है. इन दोनों दिग्गज नेताओं की मुलाकात की फोटो भी सामने आ गई है. खास तौर पर इस यात्रा का समय और यात्रा की फोटो बेहद अहम है.

अगले कुछ दिनों में देश में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं. सोलापुर में सुशील कुमार शिंदे का दबदबा माना जाता है. उनकी बेटी प्रणीति शिंदे खुद विधायक हैं. दूसरी अहम बात ये है कि सुशील कुमार शिंदे ने बड़ा दावा किया है. सुशील कुमार शिंदे ने दावा किया है कि उन्हें बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता से पार्टी में शामिल होने का ऑफर मिला है. इसलिए इस बैठक को अहम माना जा रहा है. क्या सच में सुशील कुमार शिंदे बीजेपी में जाते हैं? अब ये देखना अहम होगा.

सुशील कुमार शिंदे और चंद्रकांत पाटिल के बीच हुई मुलाकात

मिली जानकारी के मुताबिक चंद्रकांत पाटिल और सुशील कुमार शिंदे की मुलाकात सोलापुर में एक कार्यक्रम के मौके पर हुई है. इन दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीर भी सामने आई है. दिलचस्प बात यह है कि अक्कलकोट में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए,सुशील कुमार शिंदे ने दावा किया कि उन्हें और उनकी बेटी प्रणीति शिंदे को एक वरिष्ठ भाजपा नेता से भाजपा में शामिल होने का बड़ा प्रस्ताव मिला था. इसके बाद सुशील कुमार शिंदे और चंद्रकांत पाटिल की मुलाकात हुई. चंद्रकांत पाटिल सोलापुर के संरक्षक मंत्री हैं. पूर्व सीएम के बयान के बाद वह सुशील कुमार शिंदे के आवास पर गए. इस मौके पर दोनों नेताओं की मुलाकात हुई.

महाराष्ट्र की राजनीति में तीसरे भूकंप का संकेत?

बीजेपी नेता और राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री गिरीश महाजन ने बड़ा दावा किया है. गिरीश महाजन ने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव से पहले अगले कुछ दिनों में महाराष्ट्र की राजनीति में तीसरा भूकंप आएगा. महाराष्ट्र में दो अहम पार्टियों के बीच फूट पड़ गई है. बीजेपी दावा कर रही है कि इसके बाद कांग्रेस पार्टी में फूट पड़ जाएगी. उसके बाद आज सुशील कुमार शिंदे का बयान और बाद में चंद्रकांत पाटिल से उनकी मुलाकात की खबर सामने आई है. इससे महाराष्ट्र की राजनीति में तरह-तरह की चर्चाएं छिड़ गई हैं.

मुंबई हवाई अड्डे पर 2.58 करोड़ रुपये का तस्करी का सोना जब्त!

4 लोग गिरफ्तार

मुंबई : राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मंगलवार को मुंबई हवाई अड्डे पर 2.58 करोड़ रुपये मूल्य का चार किलोग्राम तस्करी का सोना जब्त किया और देश में अवैध रूप से सोना लाने वाले दो विमान यात्रियों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दोनों यात्री सुबह सऊदी अरब के जेद्दा से छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर उतरे। उन्होंने बताया कि आरोपियों के सामान की तलाशी लेने पर डीआरआई कर्मियों ने उनके पास से 2.58 करोड़ रुपये मूल्य का कुल चार किलोग्राम तस्करी का सोना बरामद किया।

अधिकारी ने बताया कि इसके बाद पता चला कि दो व्यक्ति इन यात्रियों से सोने की आपूर्ति लेने आए थे और हवाई अड्डे के बाहर उनका इंतजार कर रहे थे। इसके बाद डीआरआई कर्मियों ने जाल बिछाया और दो हवाई यात्रियों सहित चारों को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध क्लीनअप मार्शलों द्वारा दंडात्मक कार्रवाई!

मुंबई : कहीं भी कचरा फेंकना, थूकना, मुंबईकरों को इसकी आदत हो गई है। नालियों में कूड़ा डाला जाता है. इसके कारण बरसात के मौसम में नाले ओवरफ्लो हो जाते हैं और बाढ़ आ जाती है। मलबा सड़क किनारे फेंक दिया जाता है। मुंबई गंदी थी. मुंबई में इस समय स्वच्छता अभियान चल रहा है। अब 22 जनवरी से स्वच्छता के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी. क्लीनअप मार्शलों के माध्यम से सख्त कार्रवाई शुरू की जाएगी। सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वाले, खुले में थूकने वाले, प्राकृतिक अनुष्ठान करने वाले, गंदगी फैलाने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी - सफाई मार्शल। रुपये से हो सकती है कार्रवाई प्रशासन द्वारा यह बताया गया कि क्लीन अप मार्शल वसूले गए जुमार्ने से बच रहे थे। अतः अनुबंध अवधि समाप्त होने के कारण अनुबंध निरस्त कर दिया गया। अब दोबारा क्लीन अप मार्शल को ठेका दिया जाएगा।

महाराष्ट्र में बड़ा हादसा, ऑटोरिक्शा के नाले में गिरने से छह लोगों की हुई दर्दनाक मौत!

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में मंगलवार सुबह एक ऑटोरिक्शा के नाले में गिर जाने से छह लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि हादसा सुबह करीब 11 बजे हुआ. पुसाद (देहात) थाने के निरीक्षक राजेश राठौड़ ने बताया कि नागपुर से 260 किलोमीटर दूर पुसाद के जवाहर नगर निवासी गणेश राठौड़ के परिवार के लगभग 15 लोग वाहन में सवार होकर उमरी पोहरा देवी जा रहे थे.उन्होंने बताया कि बेलगाव्हां पुल के पास चालक ने नियंत्रण खो दिया और ऑटोरिक्शा नीचे नाले में गिर गया. उन्होंने बताया कि आगे की जांच जारी है. कुछ ऐसी ही खबर मुंबई से सामने आई है जहां भीषण सड़क देखने को मिला. कल मुंबई पुल पर एक सड़क हादसे की भी खबर सामने आई थी.

मध्य मुंबई के परेल में मंगलवार सुबह एक पुल पर दोपहिया वाहन अनियंत्रित होकर विपरीत दिशा से आ रहे डंपर से टकरा गया, जिससे दो युवतियों समेत तीन लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना सुबह छह बजकर 15 मिनट की है जब तीनों दक्षिण मुंबई की ओर जा रहे थे. उन्होंने बताया कि मृतकों की उम्र 22 से 25 साल के बीच है. उन्होंने बताया कि दोपहिया सवार ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण वह डिवाइडर को पार करता हुआ विपरीत दिशा से आ रहे डंपर से टकरा गया.'' उन्होंने बताया कि सभी को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया. अधिकारी ने बताया, ''हादसे के शिकार तीनों लोग आपस में कॉलेज के दोस्त थे और उनमें से एक साकी नाका में एक कॉल सेंटर में काम करता था.''

अडाणी समूह महाराष्ट्र में डेटा सेंटर की स्थापना पर 50,000 करोड़ रुपये निवेश करेगा

नयी दिल्ली : अडाणी समूह महाराष्ट्र में एक गीगावाट क्षमता वाला डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए अगले 10 वर्षों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड और महाराष्ट्र सरकार ने एक गीगावाट क्षमता का डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए बुधवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। कंपनी ने एक बयान में कहा कि विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की दावोस में चल रही वार्षिक बैठक के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी की उपस्थिति में इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। कंपनी ने कहा, 'यह डेटा सेंटर मुंबई या नवी मुंबई और पुणे जैसी प्रमुख जगहों पर स्थापित किया जाएगा। यह नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित होगा जो महाराष्ट्र में हरित ऊर्जा बुनियादी ढांचे को बढ़ाएगा और 20,000 लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रोजगार देगा।' इस तरह की बड़ी परियोजनाओं ने कुछ ही वर्षों में मुंबई को नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में आगे बढ़ाने का काम किया है। मुंबई की नवीकरणीय ऊर्जा हिस्सेदारी अब प्रमुख वैश्विक शहरों से अधिक हो चुकी है। वर्ष 2023 में अडाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड ने मुंबई के उपभोक्ताओं को 38 प्रतिशत तक बिजली की आपूर्ति नवीकरणीय स्रोतों से की थी और वह इसे वर्ष 2027 तक 60 प्रतिशत तक ले जाना चाहती है।

मुंबई के अधिकांश इलाकों में पानी नहीं...आज जल का संचय करना होगा

मुंबईः 18 जनवरी को दक्षिण मुंबई के अधिकांश इलाकों में पानी की आपूर्ति बंद रहेगी. कुछ इलाकों में पानी नहीं आएगा, जबकि कुछ इलाकों में गुरुवार सुबह पानी नहीं आएगा. कोलाबा, बैकाल, अग्रीपाड़ा इलाकों में पानी नहीं आएगा। इसलिए इस क्षेत्र के निवासियों को आज ही पानी का भंडारण करना होगा. दक्षिण मुंबई के ज्यादातर इलाकों में 24 घंटे तक पानी की सप्लाई बंद रहेगी. चर्चगेट से मस्जिद बंदर, भायखला इलाके में पानी की सप्लाई बंद रहेगी. 18 जनवरी को सुबह 10 बजे तक जलापूर्ति बंद रहेगी और जेजे अस्पताल क्षेत्र में कम दबाव से जलापूर्ति की जायेगी.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८१ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com